Index of write ups notes of Vedic Mathematics of Dr. S. K. Kapoor

11

Mathematics as a speaking language

Mathematics in speaking language of Devnagri alphabet

Contents

i. Foreword
ii. Preface
iii. Contents

1. Devnagri Varanmala
2. Devnagri Varanmala with placement values (TCV)
3. Devnagri alphabets Numbers (Fold) alphabet
4. Numbers alphabets with Sathapatya formats
5. Sathapatya formats
6. Vedic Ganita Sutras
7. Vedic Ganita Upsutras
8. Vedic Ganita Sutras text with TCV Values
9. Vedic Ganita Upsutras text with TCV Values
10. Composition organization data of Vedic Ganita Sutras
11. Composition organization data of Vedic Ganita Upsutras
12. Structural keys of Vedic Ganita Sutras
13. Integrated format of Ganita Sutras and Upsutrs
14. Sathapatya basis of integrated format of Ganita Sutras and Upsutras TCV values
15. Maheshwara Sutras
16. Comparative table of chapters of Geeta and Vedic Ganita Sutras
17. Words formulations TCV Values ten folds
18. Ten folds of TCV value of formulation (एकाधिकेन) of Ganita sutra-1
19. Ten folds of TCV value of formulation of Gyatri Mantras
20. Saraswati Mantras With TCV
21. Purusha Sukta

22.Geeta Chapter 15
23.Anksamanay Aksharsanay

1

Δεϖναγρι ϛαρανμαλα

Νινε ϖοωελσ

अ इ उ ऋ ऌ ए ऐ ओ

ϛαργα χονσοναντσ

क	ख	ग	घ	ड़
च	छ	ज	झ	ञ
ट	ठ	ड	ढ़	ण
त	थ	द	ध	न
प	फ	ब	भ	म

Αντηστηα λεττερσ:

य र ल व

Υσημανα λεττερσ:

श स ष ह

Ψαμα λεττερσ

2

Δεωναγρι Αλπηαβετ

ωιτη πλαχεμεντ ωαλυεσ (TXς)

Νινε ωοωελσ

अ इ उ ऋ ऌ ए ओ ऐ औ

1 2 3 4 5 6 7 8 9

5 ξ 5 ςαργα χονσοναντσ

क ख ग ध ङ़

1 2 3 4 5

च छ ज झ ञ

2 3 4 5 6

ट ठ ड ढ़ ण

3 4 5 6 7

त थ द ध न

4 5 6 7 8

प फ ब भ म

5 6 7 8 9

Αντηστηα λεττερσ:

य र ल व

1 3 5 7

Υσημανα λεττερσ:

श स ष ह

2 3 6 9

Ψαμα λεττερσ

9 10 11 12 13 14 15 16

3

Δεωναγρι αλπηαβετσ

Νυμβερσ (φολδ) αλπηαβετ

Νινε ωοωελσ

1 2 3 4 5 6 7 8 9

5 ξ 5 ςαργα χονσοναντσ

1 2 3 4 5

2 3 4 5 6

3 4 5 6 7

4 5 6 7 8

5 6 7 8 9

Αντηστηα λεττερσ:

1 3 5 7

Υσημανα λεττερσ:

2 3 6 9

Ψαμα λεττερσ

9 10 11 12 13 14 15 16

4

Νυμβερσ αλπηαβετσ

ωιτη Σατηαπατψα φορματσ

Νινε ωοωελσ

1	2	3	4	5	6	7	8	9
h½	H1	h1	D3	h1½	H2	h2	D4	h2½

5 ξ 5 ςαργα χονσοναντσ

1	2	3	4	5
h½	H1	h1	D3	h1½
2	3	4	5	6
H1	h1	D3	h1½	H2
3	4	5	6	7
h1	D3	h1½	H2	h2
4	5	6	7	8
D3	h1½	H2	h2	D4

5	6	7	8	9
h1½	H2	h2	D4	h2½

Αντηστηα λεττερσ:

1	3	5	7
h½	h1	h1½	h2

Υσημανα λεττερσ:

2	3	6	9
H1	h1	H2	h2½

Ψαμα λεττερσ

9	10	11	12	13	14	15	16
h2½	H3	h3	D5	h3½	H4	h4	D6

5

Σατηαπατψα αλπηαβετ

Νινε ϖοωελσ

h½ H1 h1 D3 h1½ H2 h2 D4 h2½

5 ξ 5 ςαργα χονσοναντσ

h½ H1 h1 D3 h1½

H1 h1 D3 h1½ H2

h1 D3 h1½ H2 h2

D3 h1½ H2 h2 D4

h1½ H2 h2 D4 h2½

Αντηστηα λεττερσ:

h½ h1 h1½ h2

Υσημανα λεττερσ:

H1 h1 H2 h2½

Ψαμα λεττερσ

h2½ H3 h3 D5 h3½ H4 h4 D6

6

ςεδιχ Γανιτα Συτρασ

वैदिक गणित सूत्राणिः

(1) एकाधिकेन पूर्वेण।
(2) निखिलं नवतश्चरमं दशतः।
(3) ऊर्ध्वतिर्यग्भ्याम् ।
(4) परावर्त्य योजयेत्।
(5) शून्यं साम्यसमुच्चये ।
(6) (आनुरूप्ये) शून्यमन्यत्।

(7) संकलनव्यवकलनाभ्याम्।
(8) पूरणापूरणाभ्याम्।
(9) चलनकलनाभ्याम्।
(10) यावदूनम्।
(11) व्यष्टिसमष्टिः।
(12) शेषाण्यङ्केन चरमेण।
(13) सोपान्त्यद्वयमन्तम् ।
(14) एकन्यूनेन पूर्वेण।
(15) गुणितसमुच्चयः।
(16) गुणकसमुच्चयः।

ϛεδιχ Γανιτα Υπσυτρασ

वैदिक गणित उपसूत्राणिः

(1) आनुरूप्येण।

(2) शिष्यते शेषसंज्ञः।

(3) आघमाघेनान्त्यमन्त्येन।

(4) केवलैः सप्तकं गुण्यात्।

(5) वेष्टनम्।

(6) यावदूनं तावदूनम्।

(7) यावदूनं तावदूनीकृत्य वर्ग च योजयेत्।

(8) अन्त्ययोर्दशकेऽपि।

(9) अन्त्ययोरेव।

(10) समुच्चयगुणितः।

(11) लोपनस्थपनाभ्याम्।

(12) विलोकनम्।

(13) गुणितसमुच्चयः समुच्चयगुणितः।

■

8

ςεδιχ Γανιτα Συτρασ τεξτ ωιτη ΤΧς ϖαλυεσ

Ganita Sutra-1 एकाधिकेन पूर्वेण Letters = 16, TCV = 75

SN	1	2	3	4	5	6	7	8	9
Letter	ए	क्	आ	ध्	इ	क्	ए	न्	अ
TCV	6	4	2	7	2	4	6	8	1
SN	10	11	12	13	14	15	16		
Letter	प्	ऊ	र्	व्	ए	ण्	अ		
TCV	5	6	3	7	6	7	1		

Ganita Sutra-2 **निखिलं नवतश्चरमं दशतः**Letters=28, TCV=107

SN	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
Letter	न्	इ	ख्	इ	ल्	अ	ं	न्	अ	व्
TCV	8	2	2	2	5	1	9	8	1	7
SN	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20

Letter	अ	त्	अ	श्	च्	अ	श्र	अ	म्	अ
TCV	1	4	1	2	2	1	3	1	9	1
SN	21	22	23	24	25	26	27	28		
Letter	ं	द्	अ	श्	अ	त्	अ	ः		
TCV	9	6	1	2	1	4	1	13		

Ganita Sutra-3 ऊर्ध्वतिर्यग्याम् Letters = 15, TCV = 56

SN	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
Letter	ऊ	घ्	र्	व्	अ	त्	इ	र्	य्	अ
TCV	6	7	2	7	1	4	2	2	1	1
SN	11	12	13	14	15					
Letter	ग्	भ्	य्	आ	म्					
TCV	3	8	1	2	9					

Ganita Sutra 4 परावर्त्य योजयेत् Letters = 17, TCV = 52

SN	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
Letter	प्	अ	र्	आ	व्	अ	र्	त्	य्	अ
TCV	5	1	3	2	7	1	3	4	1	1

SN	11	12	13	14	15	16	17			
Letter	य्	ओ	ज्	अ	य्	ए	त्			
TCV	1	7	4	1	1	6	4			

Ganita Sutra-5 शून्यं साम्यसमुच्चये

Letters 20 = (6+14) TCV = 71 = (27+44)

SN	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
Letter	श्	ऊ	न्	य्	अ	ं	स्	आ	म्	य्
TCV	2	6	8	1	1	9	3	2	9	1
SN	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
Letter	अ	स्	अ	म्	उ	च्	च्	अ	य्	ए
TCV	1	3	1	9	3	2	2	1	1	6

Ganita Sutra-6 (आनुरूप्ये) शून्यमन्यत् Letters = 19 = (8+11) TCV = 76 = (34+42)

SN	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
Letter	आ	न्	उ	र्	ऊ	प्	य्	ए	श्	ऊ

TCV	2	8	3	3	6	5	1	6	2	6
SN	11	12	13	14	15	16	17	18	19	
Letter	न्	य्	अ	य्	अ	न्	य्	अ	त्	
TCV	8	1	1	9	1	8	1	1	4	

Ganita Sutra-7 संकलव्यवकलनाभ्याम् Letters 24 TCV = 85

SN	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
Letter	स्	अ	ं	क्	अ	ल्	अ	न्	अ	व्
TCV	3	1	9	1	1	5	1	8	1	7
SN	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
Letter	य्	अ	व्	अ	क्	अ	ल्	अ	न्	आ
TCV	1	1	7	1	1	1	5	1	8	2
SN	21	22	23	24						
Letter	भ्	य्	आ	म्						
TCV	8	1	2	9						

Ganita Sutra-8 पूरणपूरणाभ्याम् Letters 16, TCV = 68

SN	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
Letter	प्	ऊ	र्	अ	ण्	आ	प्	ऊ	र्	अ
TCV	5	6	3	1	7	2	5	6	3	1
SN	11	12	13	14	15	16				
Letter	ण्	आ	भ्	य्	आ	म्				
TCV	7	2	8	1	2	9				

Ganita Sutra-9 चलनकलनाभ्याम् **Letters = 16, TCV = 56**

SN	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
Letter	च्	अ	ल्	अ	न्	अ	क्	अ	ल्	अ
TCV	2	1	5	1	8	1	1	1	5	1
SN	11	12	13	14	15	16				
Letter	न्	आ	भ्	य्	आ	म्				
TCV	8	2	8	1	2	9				

Ganita Sutra-10 यावदूनम् Letters 9, TCV value 41

SN	1	2	3	4	5	6	7	8	9
Letter	य्	आ	व्	अ	द्	ऊ	न्	अ	म्
TCV	1	2	7	1	6	6	8	1	9

Ganita Sutra-11 व्यष्टिसमष्टिः Letters 14, TCV value 58

SN	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
Letter	व्	य्	अ	ष्	ट्	इ	स्	अ	म्	अ
TCV	7	1	1	6	3	2	3	1	9	1
SN	11	12	13	14						
Letter	ष्	ट्	ठ	ः						
TCV	**6**	**3**	**2**	**13**						

शेषाण्यङ्केन चरमेण Letters 20, TCV = 75

SN	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
Letter	श्	ए	ष्	आ	ण्	ए	अ	ङ्	क्	ए
TCV	2	6	6	1	7	1	1	5	1	6
SN	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
Letter	न्	अ	च्	अ	र्	अ	म्	ए	ण्	अ
TCV	8	1	2	1	3	1	9	6	7	1

Ganita Sutra-13 सोपान्त्यद्वयमन्त्यम् Letters= 20, TCV = 80

SN	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
Letter	स्	ओ	प्	आ	न्	त्	य्	अ	द्	व्
TCV	3	7	5	2	8	4	1	1	6	7
SN	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
Letter	अ	य्	अ	म्	अ	न्	त्	य्	अ	म्
TCV	1	1	1	9	1	8	4	1	1	9

Ganita Sutra-14 एकन्यूनेन पूर्वेण Letters = 17, TCV = 84

SN	1	2	3	4	5	6	7	8	9
Letter	ए	क्	अ	न्	य्	ऊ	न्	ए	न्

TCV	6	4	1	8	1	6	8	6	8
SN	10	11	12	13	14	15	16	17	
Letter	अ	प्	ऊ	ं	व्	ए	ण्	अ	
TCV	1	5	6	3	7	6	7	1	

Ganita Sutra-15 गुणितसमुच्चयः Letters = 16, TCV = 56

SN	1	2	3	4	5	6	7	8
Letter	ग्	उ	ण्	ठ	त्	अ	स्	अ
TCV	3	3	7	2	4	1	3	1
SN	9	10	11	12	13	14	15	16
Letter	म्	ठ	च्	च्	अ	य्	अ	ः
TCV	9	3	2	2	1	1	1	13

Ganita Sutra-16 गुणकसमुच्चयः Letters = 16, TCV = 55

SN	1	2	3	4	5	6	7	8
Letter	ग्	उ	ण्	अ	क्	अ	स्	अ
TCV	3	3	7	1	4	1	3	1

SN	9	10	11	12	13	14	15	16
Letter	म्	उ	च्	च्	अ	य्	अ	:
TCV	9	3	2	2	1	1	1	13

9

ςεδιχ Γανιτα Υπσυτρασ τεξτ ωιτη ΤΧς ϖαλυε σ

GANITA UPSUTRA-1 आनुरूप्येण Letters = 10, TCV = 42

SN	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
Letter	आ	न्	उ	र्	ऊ	प्	य्	ए	ण्	अ
TCV	2	8	3	3	6	5	1	6	7	1

Ganita Upsutra – 2 शिष्यते शेषसंज्ञः Letters=18, TCV =74

SN	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
Letter	श्	इ	ष्	य्	अ	त्	ए	श्	ए	ष्
TCV	2	2	6	1	1	4	6	2	6	6
SN	11	12	13	14	15	16	17	18		
Letter	अ	स्	अ	ं	ज्	ञ	अ	ः		
TCV	1	3	1	9	4	6	1	13		

Upsutra – 3 आधमाधेनान्त्यमन्त्येन Letters = 23, TCV = 96

SN	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
Letter	आ	द्	य्	अ	म्	आ	द्	य्	ए	न्
TCV	2	6	1	1	9	2	6	1	6	8
SN	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
Letter	आ	न्	त्	य्	अ	म्	अ	न्	त्	य्
TCV	2	8	4	1	1	9	1	8	4	1
SN	21	22	23							
Letter	ए	न्	अ							
TCV	6	8	1							

Upsutra – 4 केवलैः सप्तकं गुण्यात् Letters = 21, TCV = 92

SN	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
Letter	क्	ए	व्	अ	ल्	ऐ	ः	स्	अ	प्
TCV	4	6	7	1	5	8	13	3	1	5
SN	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20

Letter	त्	अ	क्	अ	ं	ग्	उ	ण्	य्	आ
TCV	4	1	4	1	9	3	3	7	1	2
SN	21									
Letter	त्									
TCV	4									

Upsutra – 5 वेष्टनम्

Letters = 8, TCV = 41

SN	1	2	3	4	5	6	7	8
Letter	व्	ए	ष्	ट्	अ	न्	अ	म्
TCV	7	6	6	3	1	8	1	9

Upsutra – 6 यावदूनं तावदूनम् Letters = 18, TCV = 85

SN	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
Letter	य्	आ	व्	अ	द्	ऊ	न्	अ	ं	त्
TCV	1	2	7	1	6	6	8	1	9	4
SN	11	12	13	14	15	16	17	18		

Letter	आ	व्	अ	द्	ऊ	न्	अ	म्		
TCV	2	7	1	6	6	8	1	9		

Upsutra – 7 यावदूनं तावदूनीकृत्य वर्ग च योजयेत्

Letters = 37, TCV = 149

SN	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
Letter	य्	आ	व्	अ	द्	ऊ	न्	अ	ं	त्
TCV	1	2	7	1	6	6	8	1	9	4
SN	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
Letter	आ	व्	अ	द्	ऊ	न्	ई	क्	ऋ	त्
TCV	2	7	1	6	6	8	4	4	4	4
SN	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
Letter	य्	अ	व्	अ	र्	ग्र	अ	ं	च्	अ
TCV	1	1	7	1	3	3	1	9	7	1

SN	31	32	33	34	35	36	37			
Letter	य्	ओ	ज्	अ	य्	ए	त्			
TCV	1	7	4	1	1	6	4			

Upsutra – 8 अन्तयायोर्दशकेऽपि Letters = 16(17) = TCV = 53 (54)

SN	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
Letter	अ	न्	त्	य्	अ	य्	ओ	द्	अ	र्
TCV	1	8	4	1	1	1	7	6	1	3
SN	11	12	13	14	15	16	17			
Letter	श्	अ	क्	ए	(अ)	प्	इ			
TCV	2	1	4	6	(1)	5	2			

Upsutra – 9 अन्तययोरेव Letters = 11, TCV = 41

SN	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
Letter	अ	न्	त्	य्	अ	य्	ओ	र्	ए	व्
TCV	2	8	4	1	1	1	7	3	6	7
SN	11									
Letter	अ									
TCV	1									

Upsutra – 10 समुच्चयगुणितः

Letters = 16, TCV = 56

SN	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
Letter	स्	अ	म्	उ	च्	च्	अ	य्	अ	ग्
TCV	3	1	9	3	2	2	1	1	1	3
SN	11	12	13	14	15	16				
Letter	उ	ण्	इ	त्	अ	ः				
TCV	3	7	2	4	1	13				

Upsutra – 11 लोपनास्थापनाभ्याम्

Letters =17 , TCV = 73

SN	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
Letter	ल्	ओ	प्	अ	न्	अ	स्	थ्	आ	प्
TCV	5	7	5	1	8	1	3	5	2	5
SN	11	12	13	14	15	16	17			
Letter	अ	न्	आ	भ्	य्	आ	म्			
TCV	1	8	2	8	1	2	9			

Upsutra – 12 विलोकनम्

Letters = 9, TCV = 44

SN	1	2	3	4	5	6	7	8	9
Letter	व्	इ	ल्	ओ	क्	अ	न्	अ	म्
TCV	7	2	5	7	4	1	8	1	9

Upsutra – 13 गुणितसमुच्चचयः समुच्चयगुणितः

Letters = 32, TCV = 112

SN	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
Letter	ग्	उ	ण्	इ	त्	अ	स्	अ	म्	उ
TCV	3	3	7	2	4	1	3	1	9	3
SN	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
Letter	च्	च्	अ	य्	अ	ः	स्	अ	म्	उ
TCV	2	2	1	1	1	13	3	1	9	3
SN	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
Letter	च्	च्	अ	य्	अ	ग्	उ	ण्	इ	त्
TCV	2	2	1	1	1	3	3	7	2	4
SN	31	32								
Letter	अ	ः								
TCV	1	13								

10

Composition Organization Data of Vedic Ganita sutras

W = Words, S = Syllables, L = Letters,

TCV=Transcendental Code Value, VCV = Vedic code value

SN	Sutra	W	S	L	TCV	VCV
1	एकाधिकेन पूर्वेण।	2	5+3 =8	9+7=16	75	23
2	निखिलं नवतश्चरमं दशतः	3	3+6+3 =12	7+14 +7=28	107	52
3	ऊर्ध्व तिर्यग्भ्याम्	1	5	15	58	36
4	परावर्त्य योजयेत्।	2	4+3 = 7	10+7 =17	52	32
5	शून्यं साम्यसमुच्चये	2	2+6 = 8	6+14 =20	71	42
6	(आनुरूप्ये) शून्यमन्यत्।	2	4+4 = 8	8+11 =19	76	22
7	संकलन व्यवकलनाभ्याम्।	1	10	24	91	33
8	पूरणा पूरणाभ्याम्।	1	6	16	68	26
9	चलन कलनाभ्याम्।	1	7	16	59	23
10	यावदूनम्।	1	4	9	41	18

11	व्यष्टिसमष्टिः।	1	5	14	58	32
12	शेषाण्यङ्केन चरमेण।	2	4+4=8	12+8 =20	79	43
13	सोपान्त्य द्वयमन्त्यम् ।	1	7	20	80	44
14	एकन्यूनेन पूर्वेण।	2	5+3 = 8	10+ 7= 17	84	14
15	गुणितसमुच्चयः	1	7	16	56	38
16	गुणकसमुच्चयः।	1	7	16	55	33
Total 16		24	117	283	1110	511

11

Composition Organization Data of Vedic Ganita Upsutras

W = Words, S = Syllables, L = Letters,

TCV=Transcendental Code Value, VCV = Vedic code value

SN	Upsutra	**W**	**S**	**L**	**TCV**	**VCV**
1	आनुरूप्येण।	1	5	10	42	9
2	शिष्यते शेषसंज्ञः।	2	3+4=7	7+11= 18	74	44
3	आद्यमाद्येनान्त्यमन्त्येन	1	9	23	96	40
4	केवलैः सप्तकं गुण्यात्।	3	3+3+2=8	7 + 8 + 6 = 21	92	36
5	वेष्टनम्।	1	3	08	41	17
6	यावदूनं तावदूनम्।	2	4+4=8	9 + 9=18	85	35
7	यावदूनं तावदूनीकृत्य वर्गं च योजयेत्।	5	4+6+2+ 1+3=16	9+13+6+2 +7 =37	144	46
8	अन्त्ययोर्दशकेऽपि।	1	7	16 (17)	53 (54)	24
9	अन्त्ययोरेव।	1	5	11	40	13

10	समुच्चयगुणितः।	1	7	16	56	37
11	लोपनस्थपनाभ्याम्।	1	7	17	73	28
12	विलोकनम्।	1	4	09	44	13
13	गुणितसमुच्चयः समुच्चयगुणितः।	2	7+7=14	16 + 16= 32	112	74
TOTAL		22	100	236	952	416

12

Structural keys of Vedic Ganita Sutras

Consolidated table of five folds of structural keys

Here below is tabulation of Sutra wise, five folds of Structural keys

Table

C1 = Sutra, C2 = Structural keys of Sutra-1, C3 = Structural keys of Sutra-8, C4 = Structural keys of Sutra-9, C5 = Structural keys of Sutra-15, C6 = Structural keys of Sutra-16, C7 = Summation value of five folds structural keys, C8 = Consolidated / summation value of all five folds of structural keys of Sutra.

C1	C2	C3	C4	C5	C6	C7	C8
Sutra 1	6	1	5	7	3	22	22
Sutra 2	4	7	1	2	7	21	43
Sutra 3	2	2	8	4	1	17	60
Sutra 4	7	8	2	1	4	22	82
Sutra 5	2	1	8	3	1	15	97
Sutra 6	4	2	1	1	3	11	108
Sutra 7	6	9	2	9	1	27	135

Sutra 8	8	5	9	3	9	34	169
Sutra 9	1	6	2	2	3	14	183
Sutra 10	5	3	1	2	2	13	196
Sutra 11	6	1	5	1	2	15	211
Sutra 12	3	7	1	1	1	13	224
Sutra 13	7	**2**	8	1	1	19	243
Sutra 14	6	5	1	13	1	26	269
Sutra 15	7	6	4	3	13	33	302
Sutra 16	1	3	1	3	3	11	313

13

Integrated format of Ganita Sutras and Upsutras

SN	Sutra / Upsutra
1	**Ganita Sutra 1**
2	**Upsutra 1**
3	**Ganita Sutra 2**

SN	Sutra / Upsutra
16	**Ganita Sutra 9**
17	**Upsutra 8**
18	**Ganita Sutra 10**

4	**Upsutra 2**
5	**Ganita Sutra 3**
6	**Upsutra 3**
7	**Ganita Sutra 4**
8	**Upsutra 4**
9	**Ganita Sutra 5**
10	**Upsutra 5**
11	**Ganita Sutra 6**
12	**Upsutra 6**
13	**Ganita Sutra 7**
14	**Upsutra 7**
15	**Ganita Sutra 8**

19	**Upsutra 9**
20	**Ganita Sutra 11**
21	**Upsutra 10**
22	**Ganita Sutra 12**
23	**Upsutra 11**
24	**Ganita Sutra 13**
25	**Upsutra 12**
26	**Ganita Sutra 14**
27	**Upsutra 13**
28	**Ganita Sutra 15**
29	**Ganita Sutra 16**

14

Sathapatya basis of Integrated format of Ganita Sutras text and Upsutras TCV values

Sutra 1 TCV 75	Upsutra 1 TCV 42
Sutra 2 TCV 107	Upsutra 2 TCV 74
	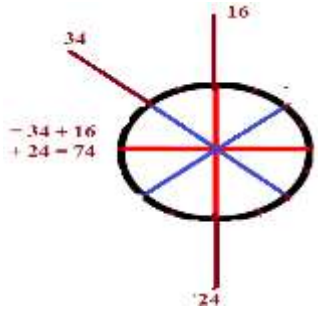
Sutra 3 TCV 58	Upsutra 3 TCV 74

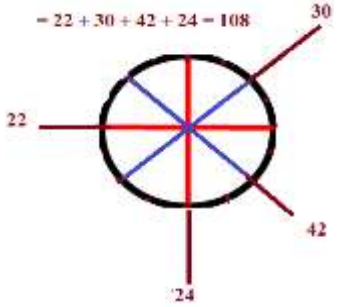

Sutra 4 TCV 52

Upsutra 4 TCV 79

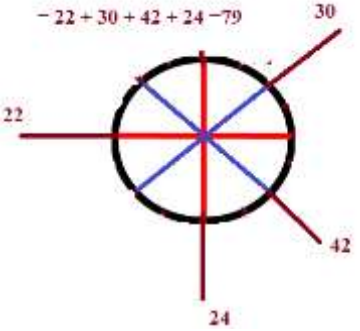

Sutra 5 TCV 71

Upsutra 5 TCV 41

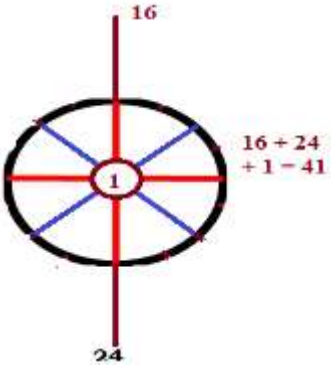

Sutra 6 TCV 76	Upsutra 6 TCV 85
	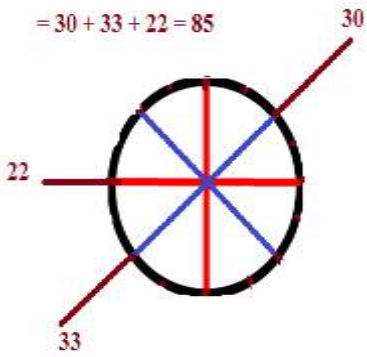
Sutra 7 TCV 83	Upsutra 7 TCV 144
	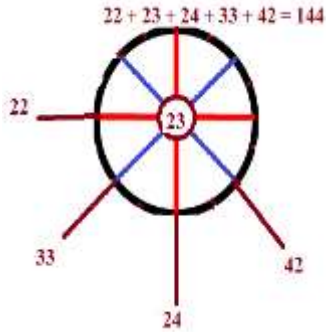
Sutra 8 TCV 68	---

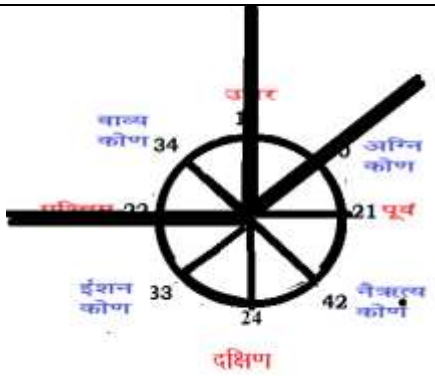

Sutra 9 TCV 58

Upsutra 8 TCV 56

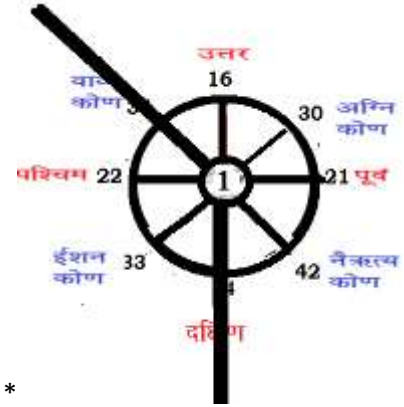

*

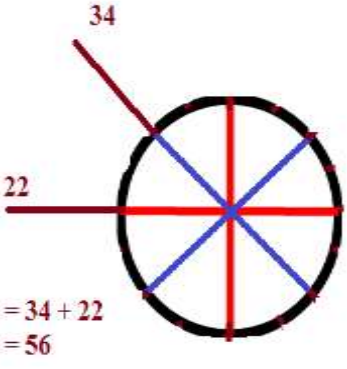

Sutra 10 TCV 41

Upsutra 9 TCV 40

<table>
<tr><td>
</td><td>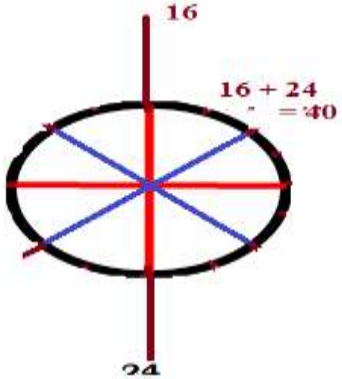
</td></tr>
<tr><td>Sutra 11 TCV 58</td><td>Upsutra 10 TCV 56</td></tr>
<tr><td>
</td><td>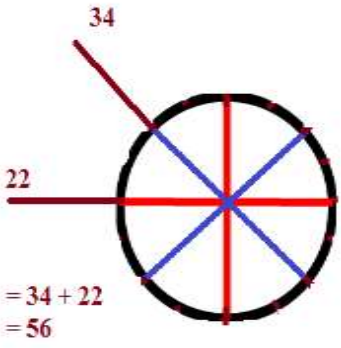
</td></tr>
<tr><td>Sutra 12 TCV 79</td><td>Upsutra 11 TCV 68</td></tr>
</table>

<table>
<tr>
<td>
</td>
<td>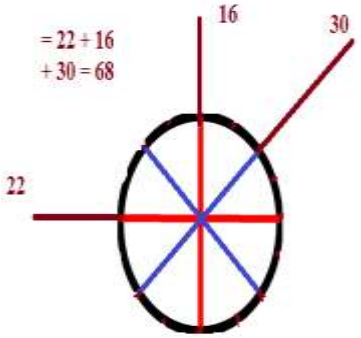
</td>
</tr>
<tr>
<td>Sutra 13 TCV 80</td>
<td>Upsutra 12 TCV</td>
</tr>
<tr>
<td>
</td>
<td>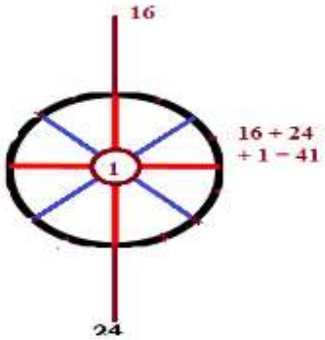
</td>
</tr>
<tr>
<td>Sutra 14 TCV 83</td>
<td>Upsutra 13 TCV 112</td>
</tr>
</table>

<table>
<tr>
<td>
</td>
<td>
</td>
</tr>
<tr>
<td>Sutra 15 TCV 56</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>
</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>Sutra 16 TCV 55</td>
<td></td>
</tr>
</table>

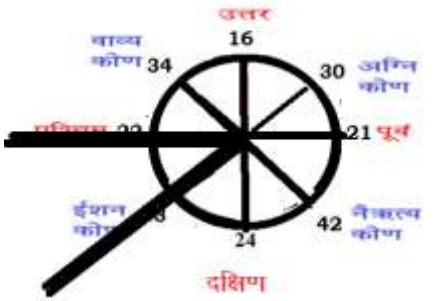
उत्तर
16
वायव्य कोण
34
30
अग्नि कोण
21
पूर्व
42
नैऋत्य कोण
24
दक्षिण

15

Maheshwara Sutras

1	अ इ उ ण्	2	ऋ ऌ क्	3	ए ओ ङ्.
4	ऐ औ च्	5	ह य व र ट	6	ल ण्
7	ञ म ङ ण न म्	8	झ भ ञ	9	घ ढ़ ध ष्
10	ज ब ग ड द श्	11	ख फ छ ठ थ च ट त व्	12	क प य
13	श ष स र	14	ह ल्		

Maheshwara Sutras

With TCV values

S.N.	Sutra	TCV value	Total	Grand total
1.	अ इ उ ण्	(1, 2, 3) (7)	13	13
2.	ऋ ऌ क्	(4, 5) (5)	14	27
3.	ए ओ ङ्.	(6, 7) 5	18	45
4.	ऐ औ च्	(8, 9) (2)	19	64
5.	ह य व र ट	(9, 1, 7, 3) (3)	23	87

6.	ल ण्	(5) (7)	12	99
7.	ञ म ड़ ण न म्	(6, 9, 5, 7, 8) (9)	44	143
8.	झ भ ञ	(5, 8) (6)	19	162
9.	घ ढ़ ध ष्	(4, 6, 7) (6)	23	185
10.	ज ब ग ड द श्	(4, 7, 3, 5, 6) (2)	27	212
11.	ख फ छ ठ थ च ट त व्	(2, 6, 3, 4, 5, 2, 3, 4) (7)	36	248
12.	क प य	(1, 5) (1)	7	255
13.	श ष स र	(2, 6, 3) (3)	14	269
14.	ह ल्	(9) (5)	14	283

TCV values of Maheshwara Sutras (283) is parallel with 283 letters of 16 Vedic Ganita Sutras.

■

16

Comparative table of chapters of Geeta and Vedic Ganita Sutras

Geeta chapter	Ganita Sutra	Geeta chapter	Ganita Sutra	Geeta chapter	Ganita Sutra
1	10	7	3	13	6

2	11	8	---	14	14
3	1	9	4	15	7
4	13	10	---	16	16
5	2	11	5	17	8
6	15	12	12	18	9

TCV Table 5 Gaps Bridging of Srimad Bhagwad Geeta

R1 = Chapter of Gita, **R2** = Shalokas of Chapter, **R3** = Difference of Shalokas of previous

chapter and present chapter (for chapter-1 the previous chapter is 18, for chapter-2, the previous chapter is chapter-1 and so on), **R4** = Total of the difference value of R3

R1	R2	R3	R4
1	47	31	31
2	72	25	56
3	43	29	85
4	39	1	86
5	29	13	99
6	47	18	117

7	30	17	134
8	28	2	136
9	34	6	142
10	42	8	150
11	55	13	163
12	20	35	198
13	34	14	212

14	27	7	219
15	20	7	226
16	24	4	230
17	28	4	234
18	78	50	284

Total gap values of Shalokas of Chapters of Geeta (284) is one more than 283 letters of text of 16 Vedic Ganita Sutras. This is parallel with the format of transition from format of a line to the format of the circumference.

■

17

Words formulations TCV Values ten folds

S N.	Symbol	Value	Total
1.	W शब्द	1	1
2.	S वर्ण		
3.	L अक्षर		
4.	T दव्य अ[illegible]		
5.	TT दिव्य प्रवाह (वत्तर्नि)		
6.	F F उच्चारण (एकार)		
7.	F भाषा (षट्)		
8.	H स्थापना (षट्धन)		
9.	R प[illegible]ति ए (प्रवाह पथ)		
10.	SR साम्य प [illegible]ति समन्वय		

Formulation 38 Shiv

Ten folds of TCV of

Word formulation **'शिव'**

S N.	Symbol	Value	Total
1.	W	1	1
2.	S	2	3
3.	L	4	7
4.	T	12	19
5.	T T	21	21
6.	F F	92	113
7.	F	54	167
8.	H	40	207
9.	R	100	307
10.	SR	212	519

Note :- Ten folds are of organization of 4 and 6 folds parallel to 4-space as dimension of 6-space. The summation value of 6 folds is 519 and it is parallel with total letters of Ganita Sutras and Upsutras together.

18

Ten folds of TCV value of formulation

(एकाधिकेन) of Ganita sutra-1

SN	Letter	C1 W	C2 S	C3 L	C4 T	C5 TT	C6 FF	C7 F	C8 H	C9 R	C10 SR
001	ए	1	1	1	6	48	26	10	22	40	86
002	क्	1	1	1	4		24	12	14	30	64
003	आ	1	1	1	2	0	22	16	6	20	42
004	ध्	1	1	1	7		27	14	26	45	97
005	इ	1	1	1	2	0	22	16	6	20	42
006	क्	1	1	1	4		24	12	14	30	64
007	ए	1	1	1	6	192	26	10	22	40	86
008	न्	1	1	1	8		28	11	30	50	108
009	अ	1	1	1	1	24	21	8	2	15	31

C1 = (W) Word as a entity value 1, **C2 = (S)** syllable (s) value 1, **C3 = (L)** letter(s) value 1, **C4 = (T)** TCV, **C5 = (TT)** Transcendence through dimension and dimension of dimension, **C6 = (FF)** pronouncing frequency, **C7 = (F)** Formulation TCV, **C8 = (H)** Sathapatya (geometric format) / hyper cube 4 folds summation value, **C9 = (R)** Transcendence range value of the order parallel with the TCV value, **C10 = (SR)** Synthesis value of pair of transcendence ranges of order of TCV value

19

Ten folds of TCV value of formulation of Gyatri Mantras

1	ओउम्	16	16
2	भूर्भव	33	49
3	स्व	11	60
4	तत	10	70
5	सवितुर्	23	93
6	वरेण्यम्	35	128
7	भर्गो	21	149
8	देवस्य	25	174
9	धीमहि	32	206
10	धियो	17	223
11	यो	8	231
12	नः	22	253
13	प्रचोदयात्	30	283

20

Saraswati Mantras With Tcv

S	Sutra	TCV Value	Total TCV
1.	ॐ प्रणो देव इति	16+41+8 = 65	65
2.	ॐ आ नो दिव इति	16+33+8 = 57	122
3.	ॐ पावका न इति	16+27+8 = 51	173
4.	ॐ चेदचित्रीति	16+24+8 = 48	221
5.	ॐ महो अर्ण इति	16+37+8 = 61	282
6.	ॐ चत्वारि वागिति	16+33+8 = 57	339
7.	ॐयद्वागवदन्तीति	16+48+8 = 72	411
8.	ॐ देवी वाचमुइति	16+44+8 = 68	479
9.	ॐ उत त्व इति	16+20+8= 44	523
10.	ॐ अम्बितमुइति	16+33+8 = 57	580

Note:- 580 = 555+25

TCV Saraswati = 25

21

PURUSHA SUKTA

Shaloka 1

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	
1	स	ह	स्र	शी	र्षा				1	
	4	10	9	6	10					39
2	पु	रु	षः						1	
	8	9	20							37
3	स	ह	स्रा	क्षः					4	
	4	10	10	21						45
4	स	ह	स्र	पात्					3	
	4	10	9	11						34
5	स								0	
	4									4
6	भू	मिं							1	
	14	20								34
7	वि	श्व	तो						1	
	9	10	11							30
8	वृ	त्वा	त्य	ति	ष्ठ	द्द	शा	ङ्गलम्	4	
	11	13	6	6	11	13	4	23		87

									15	310

Shaloka 2

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	
1	पु	रु	ष						0	
	8	9	7							24
2	ए	वे	दं						0	
	6	13	16							35
3	स	र्वं							1	
	4	19								23
4	य	द्भू	तं						2	
	2	20	14							36
5	य	च्च							1	
	2	5								7
6	भ	व्यम्							2	
	9	18								27
7	उ	ता	मृ	त	त्व	स्ये	शा	नो	1	
	3	6	13	5	12	10	4	15		68
8	य	द	न्ने	ना	ति	रो	ह	ति	1	
	2	7	22	10	6	8	10	6		71

8	291

Shaloka 2

पुरुष एवेदं सर्वं यद्भूतं यच्च भव्यम् । उतामृतत्व स्येशानो यदन्नेनाति रोहति ॥२॥		1	2	3	4	5	6	7	8	9	
पु रु ष	1	पु	रु	ष							
											0
ए वे दं	2	ए	वे	दं							
											0
स र्वं	3	स	र्वं								
											0
य द्भू तं	4	य	द्भू	तं							
											0
य च्च	5	य	च्च								
											0
भ व्यम्	6	भ	व्यम्								
											0
उ ता मृ त त्व स्ये शा नो	7	उ	ता	मृ	त	त्व	स्ये	शा	नो		
											0
य द न्ने ना ति रो ह ति	8	य	द	न्ने	ना	ति	रो	ह	ति		
											0

0

Shaloka 3

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	
1	ए	ता	वा	न	स्य					0	
	6	6	9	9	5						35
2	म	हि	मा	तो						0	
	10	11	11	11							43
3	ज्या	याँ	श्च							3	
	7	13	5								25
4	पू	रु	षः							1	
	11	9	20								40
5	पा	दो	ऽस्य							2	
	7	13	6								26
6	वि	श्वा								1	
	9	12									21
7	भू	ता	नि							0	
	14	6	10								30
8	त्रि	पा	द	स्या	मृ	तं				3	
	7	3	7	6	13	14					50
9	दि	वि								0	
	8	9									17

	10	287

Shaloka 4

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	
1	त्रि	पा	दू	र्ध्व						3	
	7	7	12	17							43
2	उ	दै	त्पू	रु	षः					1	
	3	14	15	9	20						61
3	पा	दो	ऽस्ये	हा	भ	व	त्पु	नः		4	
	7	13	11	11	9	8	12	22			93
4	त	तो								0	
	5	11									16
5	वि	ष्वङ्								2	
	9	19									28
6	व्य	क्रा	म	त्सा	श	ना	न	श	ने	3	
	9	4	10	9	3	10	9	3	14		71
7	अ	भि								-1	
	1	10									11

12	323

Shaloka 4

त्रिपादूर्ध्व उदैत्पूरुषः पादोऽस्येहा भवत्पुनः ।
ततो विष्वङ् व्यक्राम त्साशना नशने अभि ॥ ४॥

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	
त्रि पा दू र्ध्व	1	त्रि	पा	दू	र्ध्व						
											0
उ दै त्पू रु षः	2	उ	दै	त्पू	रु	षः					
											0
पा दो ऽस्ये हा भ व त्पु नः	3	पा	दो	ऽस्ये	हा	भ	व	त्पु	नः		
											0
त तो	4	त	तो								
											0
वि ष्वङ्	5	वि	ष्वङ्								
											0
व्य क्रा म त्सा श ना न श ने	6	व्य	क्रा	म	त्सा	श	ना	न	श	ने	
											0
अ भि	7	अ	भि								
											0

0

Shaloka 5

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	
1	त	स्मा	द्वि	रा	ळ	जा	य	त	2	
	5	14	15	5	6	6	2	5		58
2	वि	रा	जो						0	
	9	5	11							25
3	अ	धि							-1	
	1	9								10
4	पू	रु	षः						1	
	11	9	20							40
5	स								0	
	4									4
6	जा	तो							0	
	6	11								17
7	अ	त्य	रि	च्य	त				1	
	1	6	5	9	5					26
8	प	श्चा	द्भू	मि	म	थो			2	
	5	6	20	11	10	12				64
9	पु	रः							1	
	8	17								25

6	269

Shaloka 6

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	
1	य	त्पु	रु	षे	ण				1	
	2	12	9	12	8					43
2	ह	वि	षा						0	
	10	9	8							27
3	दे	वा							0	
	12	9								21
4	य	ज्ञ	म	त	न्व	त			2	
	2	11	10	5	16	5				49
5	व	स	न्तो						1	
	8	4	19							31
6	अ	स्या	सी	दा	ज्यं				3	
	1	6	7	8	15					37
7	ग्री	ष्म							2	
	8	16								24
8	इ	ध्मः							1	
	2	30								32
9	श	र	द्ध	विः					2	
	3	4	14	22						43

12	307

Shaloka 6

यत्पुरुषेण हविषा देवा यज्ञमतन्वत ।
वसन्तो अस्यासीदाज्यं ग्रीष्म इध्मः शरद्धविः ॥६॥

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	
य त्पु रु षे ण	1	य	त्पु	रु	षे	ण				
										0
ह वि षा	2	ह	वि	षा						
										0
दे वा	3	दे	वा							
										0
य ज्ञ म त न्व त	4	य	ज्ञ	म	त	न्व	त			
										0
व स न्तो	5	व	स	न्तो						
										0
अ स्या सी दा ज्यं	6	अ	स्या	सी	दा	ज्यं				
										0
ग्री ष्म	7	ग्री	ष्म							
										0
इ ध्मः	8	इ	ध्मः							
										0
श र द्ध विः	9	श	र	द्ध	विः					
										0

0

Shaloka 7

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	
1	तं								1	
	14									14
2	य	ज्ञं							2	
	2	20								22
3	ब	र्हि	षि						1	
	8	13	8							29
4	प्रौ	क्ष	न्पु	रु	षं				4	
	16	8	16	9	16					65
5	जा	त	म	ग्र	तः				2	
	6	5	10	5	18					44
6	ते	न							0	
	10	9								19
7	दे	वा							0	
	12	9								21
8	अ	य	ज	न्त					0	
	1	2	5	13						21
9	सा	ध्या							1	
	5	10								15
10	ऋ	ष	य	श्च					1	

	4	7	2	5						18
11	ये								0	
	7									7

12	275

Shaloka 8

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	
1	त	स्मा	द्य	ज्ञा	त्स	र्व	हु	तः	6	
	5	14	8	12	8	10	12	18		87
2	स	म्भृ	तं						2	
	4	21	14							39
3	पृ	ष	दा	ज्यम्					2	
	9	7	8	15						39
4	प	शू	न्ताँ	श्च	क्रे				4	
	6	8	24	5	8					51
5	वा	य	व्या	ना	र	ण्यान्			3	
	9	2	10	10	4	18				53
6	ग्रा	म्या	श्च						3	
	5	12	5							22
7	ये								0	
	7									7

20	298

Shaloka 8

तस्माद्यज्ञा त्सर्वहुतः सम्भृतं पृषदाज्यम् । पशून्ताँश्चक्रे वायव्या नारण्यान् ग्राम्याश्च ये ॥८॥		1	2	3	4	5	6	7	8	9	
त स्मा द्य ज्ञा त्स र्व हु तः	1	त	स्मा	द्य	ज्ञा	त्स	र्व	हु	तः		
											0
स म्भृ तं	2	स	म्भृ	तं							
											0
पृ ष दा ज्यम्	3	पृ	ष	दा	ज्य म्						
											0
प शू न्ताँ श्च क्रे	4	प	शू	न्ताँ	श्च	क्रे					
											0
वा य व्या ना र ण्यान्	5	वा	य	व्या	ना	र	ण्या न्				
											0
ग्रा म्या श्च	6	ग्रा	म्या	श्च							
											0
ये	7	ये									
											0

0

Shaloka 9

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	
1	त	स्मा	द्य	ज्ञा	त्स	र्व	हु	त			5	
	5	14	8	12	8	10	12	5				74
2	ऋ	चः									0	
	4	16										20
3	सा	मा	नि								0	
	5	11	10									26
4	ज	ज्ञि	रे								0	
	5	12	9									26
5	छ	न्दां	सि								2	
	4	25	5									34
6	ज	ज्ञि	रे								1	
	4	12	9									25
7	त	स्मा	द्य	जु	स्त	स्मा	द	जा	य	त	4	
	5	12	8	7	8	14	7	6	2	5		74

12	279

Shaloka 10

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	
1	त	स्मा	द	श्चा							2	
	5	14	7	11								37
2	अ	जा	य	न्त							0	
	1	6	2	13								22
3	ये										0	
	7											7
4	के										0	
	7											7
5	चो	भ	या	द	तः						1	
	9	9	3	7	18							46
6	गा	वोः									1	
	5	27										32
7	ह										0	
	10											10
8	ज	ज्ञि	रे								1	
	5	12	9									26
9	त	स्मात्									2	
	5	18										23

10	त	स्मा	ज्ञा	ता						2	
	5	14	10	6							35
11	अ	जा	व	यः						0	
	1	6	8	15							30

9	275

Shaloka 10

तस्मादश्वा अजायन्त ये के चोभयादतः । गावोः ह जज्ञिरे तस्मात् तस्माज्जाता अजावयः ॥१०॥		1	2	3	4	5	6	7	8	9	
त स्मा द श्वा	1	त	स्मा	द	श्वा						
											0
अ जा यन्त	2	अ	जा	यन्त							
											0
ये	3	ये									
											0
के	4	के									
											0
चो भ या द तः	5	चो	भ	या	द	तः					
											0
गा वोः	6	गा	वोः								
											0
ह	7	ह									
											0

ज ञि रे	8	ज	ञि	रे							
											0
त स्मात्	9	त	स्मात्								
											0
त स्मा ज्जा ता	10	त	स्मा	ज्जा	ता						
											0
अ जा व यः	11	अ	जा	व	यः						
											0
											0

Shaloka 11

	1	2	3	4	5	6	7	
1	य	त्पु	रु	षं			2	
	2	8	9	16				35
2	व्य	द	धुः				2	
	9	7	23					39
3	क	ति	धा				0	
	2	6	9					17
4	व्य	क	ल्प	यन्			3	

	9	2	11	10				32
5	मु	खं					1	
	12	12						24
6	कि	म	स्य				1	
	5	10	5					20
7	कौ						0	
	10							10
8	बा	हू					0	
	9	15						24
9	का						0	
	3							3
10	ऊ	रू					0	
	6	9						15
11	पा	दा					0	
	7	8						15
12	उ	च्ये	ते				0	
	3	9	10					22

9	256

Shaloka 12

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	
1	ब्रा	ह्म	णो	ऽस्य					4	
	10	19	14	6						49
2	मु	ख	मा	सीद्					1	
	12	3	11	13						39
3	बा	हू							0	
	9	15								24
4	रा	ज	न्यः						2	
	5	5	23							33
5	कृ	तः							1	
	5	18								23
6	ऊ	रू							0	
	6	9								15
7	त	द	स्य						1	
	5	7	5							17
8	य	द्वै	श्यः						3	
	2	21	17							40
9	प	भ्द	यां						2	
	6	15	12							33

10	शू	द्रो							1	
	8	14								22
11	अ	जा	य	त					-1	
	1	6	2	5						14

14	309

Shaloka 13

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	
1	च	न्द्र	मा						2	
	8	16	11							35
2	म	न	सो						0	
	10	9	10							29
3	जा	त	श्च	क्षोः					2	
	6	5	5	27						43
4	सू	र्यो							1	
	9	10								19
5	अ	जा	य	त					-1	
	1	6	2	4						13
6	मु	खा	दि	न्द्र	श्चा	ग्नि	श्च		5	
	12	4	8	16	5	13	5			63
7	प्रा	णा	द्वा	यु	र	जा	य	त	2	
	8	9	15	4	4	6	2	5		53

11	255

Shaloka 14

	1	2	3	4	5	6	7	8	
1	ना	भ्या						1	
	10	11							21
2	आ	सी	द	न्त	रि	क्षं		2	
	2	7	7	13	5	17			51
3	शी	र्ष्णो						2	
	6	22							28
4	द्यौः							2	
	29								29
5	स	म	व	र्त	त			1	
	4	10	8	7	5				34
6	प	भ्द	यां					2	
	6	15	12						33
7	भू	मि	र्दि	शः				2	
	14	11	10	16					51
8	श्रो	त्रा	त्त	था				3	
	10	7	9	9					35
9	लो	काँ						1	

	12	13							25
10	अ	क	ल्प	यन्				1	
	1	2	11	10					24

17	331

Shaloka 15

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	
1	स	प्ता	स्या	सन्					3	
	4	11	6	12						33
2	प	रि	ध	य	स्त्रिः				2	
	6	5	8	2	23					44
3	स	प्त							1	
	4	10								14
4	स	मि	धः						1	
	4	11	21							36
5	कृ	ताः							1	
	5	19								24
6	दे	वा							0	
	12	9								21
7	य	द्य	ज्ञं						3	
	2	8	20							30
8	त	न्वा	ना						1	
	5	17	10							32
9	अ	ब	ध्न	न्यु	रु	षं			2	
	1	8	16	15	9	16				65

10	प	शुम्							1	
	5	14								19

15	318

Shaloka 16

	1	2	3	4	5	6	7	8	
1	य	ज्ञे	न					1	
	2	16	9						27
2	य	ज्ञ	म	य	ज	न्त		2	
	2	11	10	2	5	13			43
3	दे	वा	स्ता	नि				1	
	12	9	9	10					40
4	ध	र्मा	णि					1	
	8	13	9						30
5	प्र	थ	मा	न्या	सन्			3	
	7	8	11	11	12				49
6	ते							0	
	10								10
7	ह							0	
	10								10
8	ना	कं						1	
	10	11							21
9	म	हि	मा	नः				1	

	10	11	11	22					54
10	स	च	न्त					1	
	4	3	13						20
11	य	त्र						1	
	2	6							8
12	पू	र्वे						1	
	11	15							26
13	सा	ध्याः						2	
	5	23							28
14	स	न्ति						1	
	4	16							20
15	दे	वाः						1	
	12	22							34

17	420

Richa	Word	Syllables	Ex. Letters	Total Letters	TCV
1	8	30	15	75	310
2	8	31	8	70	291
3	9	31	10	72	287
4	7	28	12	68	323
5	9	30	6	66	269
6	9	32	12	76	307
7	11	31	12	74	275
8	7	30	20	80	298
9	7	32	12	76	279
10	11	31	9	71	275
11	12	30	9	69	256
12	11	32	14	78	309
13	7	30	11	71	255
14	10	33	17	83	331
15	10	32	15	79	318
16	15	43	17	103	420
	151	**506**	**199**	**1211**	**4803**

22

GEETA CHAPTER -15

GEETA CHAPTER -15 SHALOKA -1

Sh.	W	S	D	E	L	T
1	9	32	-1	14	77	309

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	
1	ऊ	र्ध्व	मू	ल	म	धः	शा	ख	म	श्व	त्थं	
	6	17	15	6	10	21	4	3	10	10	19	**121**
2	प्रा	हु	र	व्य	यम्							
	8	12	4	9	11							**44**
3	छन्	दां	सि									
	12	17	5									**34**
4	य	स्य										

	2	5										7
5	प	र्णा	नि									
	6	11	10									27
6	य	स्तं										
	2	17										19
7	वे	द										
	13	7										20
8	स											
	4											4
9	वे	द	वित्									
	13	7	13									33

309

GEETA CHAPTER -15 SHALOKA -2

Sh.	W	S	D	E	L	T
2	10	44	-2	14	100	380

	1	2	3	4	5	6	7	8	
1	अ	ध	श्चो	र्ध्वं					
	1	8	11	17					37
2	प्र	सृ	ता	स्त	स्य				
	7	7	6	8	5				33
3	शा	खा							
	4	4							8
4	गु	ण	प्र	वृ	द्धा				
	6	8	7	11	15				47
5	वि	ष	य	प्र	वा	लाः			
	9	7	2	7	9	20			54
6	अ	ध	श्च						
	1	8	5						14
7	मू	ला	न्य	नु	स	न्त	ता	नि	
	15	7	10	11	4	13	6	10	76
8	क	र्मा	नु	ब	न्धी	नि			
	2	13	11	8	19	10			63
9	म	नु	ष्य	लो	के				
	10	11	8	12	7				48

380

GEETA CHAPTER -15 SHALOKA -3

Sh.	W	S	D	E	L	T
3	13	45	-1	13	102	419

	1	2	3	4	5	6	7	
1	न							
	9							9
2	रू	प	म	स्ये	ह			
	9	6	10	10	10			45
3	त	थो	प	ल	भ्य	त		
	5	12	6	6	10	5		44
4	ना	न्तो						
	10	19						29
5	न							
	9							9
6	चा	दि	नं					
	4	8	18					30
7	च							
	3							3
8	स	म्प्र	ति	ष्ठा				
	4	16	6	12				38
9	अ	श्व	त्थ	मे	नं			
	1	10	9	15	18			53

10	सु	वि	रू	ढ	मू	ल	म	
	6	9	15	7	15	6	10	68
11	स	ंग	श	स्त्रे	ण			
	4	9	3	14	8			38
12	दृ	ढे	न					
	10	12	9					31
13	छि	त्त्वा						
	5	17						22

419

GEETA CHAPTER -15 SHALOKA -4

Sh.	W	S	D	E	L	T
4	15	44	0	17	105	430

	1	2	3	4	5	6	7	
1	त	तः						
	5	18						23
2	प	दं						
	6	16						22
3	त	त्प	रि	मा	र्गि	त	व्यं	
	5	10	5	11	7	5	18	61
4	य	स्मि	न्ग	ता				
	2	14	12	6				34
5	न							
	9							9
6	नि	व	र्त	न्ति				
	10	8	7	14				39
7	भू	यः						
	14	15						29
8	त	मे	व					
	5	15	8					28

9	चा	द्यं						
	4	17						21
10	पु	रू	षं					
	8	9	16					33
11	प्र	प	द्ये					
	7	6	13					26
12	य	तः						
	2	18						20
13	प्र	वृ	त्तिः					
	7	11	23					41
14	प्र	सृ	ता					
	7	7	6					20
15	पु	रा	णी					
	8	5	11					24

430

GEETA CHAPTER -15 SHALOKA -5

Sh.	W	S	D	E	L	T
5	9	44	-1	19	106	468

	1	2	3	4	5	6	
1	नि	र्मा	न	मो	हा		
	10	13	9	16	11		59
2	जि	त	स	ंग	दो	षा	
	6	5	4	4	13	8	40
3	अ	ध्या	त्म	नि	त्या		
	1	10	14	10	7		42
4	वि	नि	वृ	त्त	का	माः	
	9	10	11	9	3	24	66
5	द्व	न्द्वै	र्वि	मु	क्ताः		
	14	29	11	12	20		86
6	सु	ख	दुः	ख	स	ंज्ञै	
	6	3	22	3	4	24	62
7	र्ग	च्छ	न्त्य	मू	ढाः		
	6	6	14	15	21		62
8	प	द	म	व्य	यं		
	6	7	9	9	11		42
9	त्						
	9						9

468

GEETA CHAPTER -15 SHALOKA -6

Sh.	W	S	D	E	L	T
6	13	32	0	8	72	286

	1	2	3	4	5	
1	न					
	9					9
2	त	द्भा	स	य	ते	
	5	16	4	2	10	37
3	सू	र्यो				
	9	11				20
4	न					
	9					9
5	श	शा	ंको			
	3	4	13			20
6	न					
	9					9
7	पा	व	कः			
	7	8	15			30
8	यद्	ग	त्वा			
	8	4	13			25
9	न					
	9					9

10	नि	व	र्त	न्ते		
	10	8	7	14		39
11	त	ब्धा	म			
	5	15	10			30
12	प	र	मं			
	6	4	19			29
13	म	म				
	10	10				20

286

GEETA CHAPTER -15 SHALOKA -7

Sh.	W	S	D	E	L	T
7	7	32	0	9	73	325

	1	2	3	4	5	6	7	8	
1	म	मै	वां	ंशा					
	10	17	18	9					54
2	जी	व	लो	क					
	8	8	12	7					35
3	जी	व	भू	तः					
	8	8	14	18					48
4	स	ना	त	नः					
	4	10	5	22					41

5	म	नः	ष	ष्ठा	नी	न्द्रि	या	णि	
	10	22	7	12	12	17	3	9	83
6	प्र	कृ	ति	स्था	नि				
	7	5	6	10	10				38
7	क	र्ष	ति						
	2	9	6						17

316

GEETA CHAPTER -15 SHALOKA -8

Sh.	W	S	D	E	L	T
8	6	32	0	12	76	278

	1	2	3	4	5	6	7	8	
1	श	री	रं						
	3	7	13						23
2	य	द	वा	प्नो	ति				
	2	7	9	20	6				44
3	य	च्चा	प्यु	त्क्रा	म	ती	श्व	रः	
	2	6	9	8	10	8	10	17	70
4	गृ	ही	त्वै	ता	नि				
	7	13	19	6	10				55
5	स	ंया	ति						
	13	3	6						22
6	वा	यु	र्ग	न्धा	नि	वा	श	यात्	
	9	4	6	17	10	9	3	6	64

278

GEETA CHAPTER -15 SHALOKA -9

Sh.	W	S	D	E	L	T
9	10	32	-1	11	74	276

	1	2	3	4	5	6	7	8	
1	श्रो	त्रं							
	10	15							25
2	च	क्षुः							
	3	23							26
3	स्प	र्श	न						
	9	5	9						23
4	च								
	3								3
5	र	स	नं						
	4	4	19						27
6	घ्रा	ण	मे	व					
	10	8	15	8					41
7	च								
	3								3
8	अ	धि	ष्ठा	य					
	1	9	12	2					24
9	म	न	श्चा	यं					
	10	9	11	11					41

10	वि	ष	या	नु	प	से	व	ते	
	9	7	3	11	6	9	8	10	63

276

GEETA CHAPTER -15 SHALOKA -10

Sh.	W	S	D	E	L	T
10	10	32	-1	16	79	348

	1	2	3	4	5		
1	उ	त्क्रा	म	न्तं			
	3	8	10	13			34
2	स्थि	तं					
	10	14					24
3	वा	पि					
	9	7					16
4	भु	ञ्जा	नं				
	11	12	17				40
5	वा						
	9						9
6	गु	णा	न्वि	तम्			
	6	9	17	14			46
7	वि	मू	ढा				
	9	15	8				32
8	ना	नु	प	श्य	न्ति		
	10	11	6	4	14		45
9	प	श्य	न्ति				
	6	4	14				24

10	ज्ञा	न	च	क्षु	षः		
	12	9	3	10	20		54

324

GEETA CHAPTER -15 SHALOKA-11

Sh.	W	S	D	E	L	T
11	6	32	0	18	82	320

	1	2	3	4	5	6	7	8	
1	य	त	न्तो						
	2	5	19						26
2	यो	गि	न	श्चै	नं				
	8	5	9	12	18				52
3	प	श्य	न्त्या	त्म	न्य	व	स्थि	तम्	
	6	4	15	14	10	8	10	14	81
4	य	त	न्तो	ऽप्य	कृ	ता	त्मा	नो	
	2	5	19	8	5	6	15	15	75
5	नै	नं							
	16	18							34
6	प	य	न्त्य	चे	त	सः			
	6	2	14	8	5	17			52

320

GEETA CHAPTER -15 SHALOKA-12

Sh.	W	S	D	E	L	T
12	8	32	0	11	75	270

	1	2	3	4	5	6	7	8	
1	य	दा	दि	त्य	ग	तं			
	2	8	8	6	4	14			42
2	ते	जो							
	10	11							21
3	ज	ग्	द्भा	स	य	ते	ऽखि	लम्	
	5	4	16	4	2	10	6	15	62
5	य	च्च	न्द्र	म	सि				
	2	5	16	10	5				38
6	य	च्चा	ग्नौ						
	2	6	18						26
7	त	त्ते	जा						
	5	14	6						25
8	वि	ध्धि							
	9	15							24
9	मा	म	कम्						
	11	10	11						32

270

GEETA CHAPTER -15 SHALOKA-13

Sh.	W	S	D	E	L	T
13	10	32	0	9	73	320

	1	2	3	4	5	6	7	8	
1	गा	मा	वि	श्य					
	5	11	9	4					29
2	च								
	3								3
3	भू	ता	नि						
	14	6	10						30
4	धा	र	या	म्य	ह	मो	ज	सा	
	9	4	3	11	10	16	5	5	63
5	पु	ष्णा	मि						
	8	15	11						34
6	चौ	ष	धीः						
	11	7	24						42
7	स	र्वाः							
	4	24							28
8	सो	मो							
	10	16							26
9	भू	त्वा							
	14	13							27

10	र	सा	त्म	कः					
	4	5	14	15					38

320

GEETA CHAPTER -15 SHALOKA-14

Sh.	W	S	D	E	L	T
14	8	32	-1	14	77	333

	1	2	3	4	5	6	7	8	
1	अ	हं							
	1	19							20
2	वै	श्वा	न	रो					
	15	11	9	10					45
3	भू	त्वा							
	14	13							27
4	प्रा	णि	नां						
	8	9	10						27
5	दे	ह	मा	श्रि	तः				
	12	10	11	5	18				56
6	प्रा	णा	पा	न	स	मा	यु	क्तः	
	8	11	7	9	4	11	4	19	73
7	प	चा	म्य	न्नं					
	6	4	11	26					47
8	च	तु	र्वि	धम्					
	3	7	11	17					38

333

GEETA CHAPTER -15 SHALOKA-15

Sh.	W	S	D	E	L	T
15	12	45	0	14	104	463

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	
1	स	र्व	स्य							
	4	10	5							19
2	चा	हं								
	4	19								23
3	ह्न	दि								
	13	8								21
4	स	न्नि	वि	ष्टो						
	4	18	9	16						47
5	म	त्तः								
	10	22								32
6	स्मृ	ति	र्ज्ञा	न	म	पो	ह	नं		
	16	6	14	9	10	12	10	18		95
7	च									
	3									3
8	वे	दै	श्च							
	13	12	5							30
9	स	र्वै	र	ह	मे	व				
	4	17	4	10	15	8				58

10	वे	द्यो								
	13	14								27
11	वे	दा	न्त	कृ	द्वे	द	वि	दे	व	
	13	8	13	5	19	7	9	12	8	94
12	चा	हम्								
	9	19								28

477

GEETA CHAPTER -15 SHALOKA -16

Sh.	W	S	D	E	L	T
16	11	32	-2	10	72	275

	1	2	3	4	5		
1	द्वा	वि	मौ				
	15	9	18				42
2	पु	रू	षौ				
	8	9	15				32
3	लो	के					
	12	7					19
4	क्ष	र	श्चा	क्ष	र		
	8	4	6	8	4		30
5	ए	व					
	6	8					14
6	च						
	3						3
7	क्ष	रः					
	8	17					25
8	स	र्वा	णि				
	4	11	9				24
9	भू	ता	नि				
	14	6	10				30

10	कू	ट	स्थो	ऽक्ष	र		
	7	4	15	9	4		39
11	उ	च्य	ते				
	3	4	10				17

275

GEETA CHAPTER -15 SHALOKA -17

Sh.	W	S	D	E	L	T
17	8	32	-1	17	80	306

	1	2	3	4	5	6	7	8	
1	उ	त्त	मः						
	3	9	23						35
2	पु	रू	ष	स्तव	न्यः				
	8	9	7	15	23				62
3	प	र	मा	त्मे	त्यु	दा	ह्र	तः	
	6	4	11	19	8	8	13	18	87
4	यो								
	8								8
5	लो	क	त्र	य	मा	वि	श्य		
	12	2	6	2	11	9	4		46
6	बि	भ	र्त्य	व्य	य				
	9	9	8	9	2				37
7	ई	श्व	रः						
	4	10	17						31

306

GEETA CHAPTER -15 SHALOKA -18

Sh.	W	S	D	E	L	T
18	8	32	0	10	74	317

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
1	य	स्मा	त्क्ष	र	म	ती	तो	ऽह	म	क्ष	रा	द	पि
	2	14	12	4	9	8	11	11	10	8	5	7	7
2	चो	त्त	मः										
	9	9	23										
3	अ	तो	ऽस्मि										
	1	11	15										
4	लो	के											
	12	7											
5	वे	दे											
	13	12											
6	च												
	3												
7	प्र	थि	तः										
	7	7	18										
8	पु	रू	षो	त्त	मः								
	8	9	13	9	23								

GEETA CHAPTER -15 SHALOKA -19

Sh.	W	S	D	E	L	T
19	9	32	0	7	71	333

	1	2	3	4	5	6	7	8	
1	यो								
	8								8
2	मा	मे	व	म	स	म्मू	ढो		
	11	15	8	10	6	24	13		87
3	जा	ना	ति						
	6	10	6						22
4	पु	रू	षो	त्त	मम्				
	8	9	13	10	19				59
5	स								
	4								4
6	स	र्व	वि	ब्द्ध	भ	ज	ति		
	4	10	9	14	5	6	20		68
7	मां								
	20								20
8	स	र्व	भा	वे	न				
	4	10	10	13	9				46
9	भा	र	त						
	10	4	5						19

333

GEETA CHAPTER -15 SHALOKA -20

Sh.	W	S	D	E	L	T
20	7	32	-2	13	75	282

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	
1	इ	ति								
	2	6								8
2	गु	ह्य	त	मं						
	6	11	5	19						41
3	शा	स्त्रा	मि	द	मु	क्तं				
	4	9	11	7	12	15				58
4	म	या	न	घ						
	10	3	9	5						27
5	ए	त	द्बु	द्ध्वा						
	6	5	16	22						49
6	बु	द्धि	मा	न्स्या	त्कृ	त	कृ	त्य	श्च	
	10	15	11	14	9	5	5	6	5	80
7	भा	र	त							
	10	4	5							19

282

23

Anksamanay Aksharsanay

अङ्काम्नाय अक्षराम्नाय

चत्वारि शृङ्गा त्रयो अस्य पादाः द्वे शीर्षे सप्तहस्तासो अस्य। त्रिधा बद्धो वृषभो रोरवीति महो देवो मर्त्यां आ विवेश।।

ऋक् संहिता ४.५८.३

प्राथमिक वैदिकार्षगणित – सूत्रार्थसंहिता

मङ्गलाचरण

चत्वारि शृङ्गा त्रयो अस्य पादाः द्वे शीर्षे सप्तहस्तासो अस्य । त्रिधा बद्धो वृषभो रोरवीति महो देवो मर्त्या आ विवेश ।। (ऋक् - संहिता ४. ५८. ३)

"गणितके अधिदैव गणपतिसंज्ञक श्रीमहादेव हैं और इसके योग, ऋण, गुणन तथा भाग - संज्ञक चार शृङ्ग हैं। इसके " १, ९ तथा १० नामक गतिसाधनरूप तीन पाद हैं एवम् "अङ्काम्नाय और अक्षराम्नाय" संज्ञक ; अथवा उत्तरोत्तर एकाधिक आरोह और उत्तरोत्तर एक न्यून अवरोह संज्ञक दो सिर हैं। इसके १ और ९ के मध्यवर्ती "२, ३, ४, ५, ६, ७, ८" संज्ञक अर्थसाधक सात हाथ हैं। यह "देश, काल और वस्तु" नामक तीन सङ्ख्येय (गणेय) में निबद्ध है। यह गणित अभीष्टवर्षक वृषभ है। यह उच्चारणदशामें शब्दब्रह्मात्मक अक्षराम्नायरूप है। ऐसे गणितके अधिनायक गणेशसंज्ञक महादेवका मैं तादात्म्यापन्नभावसे स्मरण, अभिनन्दन, अनुशीलन और अनुगमन करता हूँ।।"

१३. अ ण् ।। इक् ।। उङ्।। ऋच्।। लृट्।। एम् ॥ ऐज् । ओ श्।। औष् ।। शस्।। अशस्।। एकादिक्रमेण दश ।।
(प्रा.वैदिकार्षगणित)

"प्रत्याहियन्ते संक्षिप्यन्ते निर्दिश्यन्ते अङ्का यत्र स प्रत्याहारः।" जिससे अङ्कोंका संक्षेप और संकेत सुलभ हो, उसे प्रत्याहार कहते हैं। “आदिरन्त्येन सहेता " (१.१.७१) - इस महर्षि पाणिनिविरचित सूत्रके अनुसार प्रत्याहारमें अन्तिम वर्ण इत्संज्ञक है। तद्वत् " अ ण् । इक् ।। उङ् ।। ऋच् ।। लृट् । एम् ।। ऐञ्।। ओ श्।। औश् ।। शस्।। अशस्।। " प्रत्याहारमें अन्तिम वर्ण "ण्, क्, ङ्, च्, ट् ,म्, ञ, श्, ष, स्, स्। " इत्संज्ञक है। इत्संज्ञक ण् - आदिसे किसी अङ्कका ग्रहण नहीं किया गया है। अण्-प्रत्याहारमें अ एकका वाचक है। शस् - प्रत्याहारमें 'श' शून्यका द्योतक है।। अशस्प्रत्याहारमें 'अ' एकका और 'श' शून्यका ख्यापक होनेके कारण 'अश' दसका द्योतक है। प्रत्याहारक्रमसे अङ्कविमर्श इस प्रकार है

उ ऋ ऌ ए ऐ ओ औ श २ ३ ४

अश इश उश ऋश लृश एश ऐश ओश औष् १० २० ३० ४० ५० ६० ७० ८० ९० अक्षराम्नायमें अ, इ, उ, ऋ, ऌ, ए, ऐ, ओ, औ के अनन्तर अश २ = १०२ = १०० अशरे = १०३ = १००० अश ४ = १०४ = १०००० अ ४

(प्रा.वैदिकार्षगणित)
प्राथमिक - वैदिकार्ष- गणित – सूत्रार्थसंहिता

अनुस्वाराभिव्यञ्जक प्रथमाक्षर अ से संलग्न अनुस्वारकी दसवें स्थानपर अं संज्ञा है। अङ्काम्नायमें १, २, ३, ४, ५, ६, ७, ८, ९ के अनन्तर शून्याभिव्यञ्जक प्रथमाङ्क १ से संलग्न शून्यकी दसवें स्थानपर १ संज्ञा है। अनुस्वार शून्यका मौलिक स्वरूप है।

उक्त विधासे

अं= १

अम् = अं अं= १०

अश = १०

कलाप-ग्रामनिवासी सुतनुद्वारा नारदजीके जटिल प्रश्नोंका समाधान

नारदजी कहते हैं—अर्जुन! मैं देश-देश घूमकर विद्यारूपी नेत्रवाले ब्राह्मणोंकी परीक्षा करता हूँ। यदि वे मेरे प्रश्नोंका उत्तर दे देंगे, तब मैं उन्हें दान करूँगा। ऐसा विचार करके मैं उस स्थानसे उठा और महर्षियोंके आश्रमोंपर इन प्रश्नरूपी श्लोकोंका गान करता हुआ विचरण करने लगा। वे श्लोक इस प्रकार हैं, सुनो

मातृकां को विजानाति कतिधा कीदृशाक्षराम् । पञ्चपञ्चाद्भुतं गेहं को विजानाति वा द्विजः ॥ बहुरूपां स्त्रियं कर्तुमेकरूपां च वेत्ति कः । को वा चित्रकथं बन्धं वेत्ति संसारगोचरः ॥ को वार्णवमहाग्राहं वेत्ति विद्यापरायणः । को

वाष्टविधं ब्राह्मण्यं वेत्ति ब्राह्मणसत्तमः ॥ युगानां च चतुर्णां वा को मूलदिवसान् वदेत् । चतुर्दशमनूनां वा मूलवारं च वेत्ति कः ॥ कस्मिंश्चैव दिने प्राप पूर्वं वा भास्करो रथम् । उद्वेजयति भूतानि कृष्णाहिरिव वेत्ति कः ॥ को वास्मिन् घोरसंसारे दक्षदक्षतमो भवेत् । पन्थानावपि द्वौ कश्चिद्वेत्ति वक्ति च ब्राह्मणः ॥ इति मे द्वादश प्रश्नान् ये विदुर्ब्राह्मणोत्तमाः। ते मे पूज्यतमास्तेषामहमाराधकश्चिरम् ॥ (स्क० पु० मा० कुमा० ३। २०५-२१२)

(१) मातृकाको कौन विशेषरूपसे जानता है? वह मातृका कितने प्रकारकी और कैसे अक्षरोंवाली है? (२) कौन द्विज पचीस वस्तुओंके बने हुए गृहको अच्छी तरह जानता है?

| (३) अनेक रूपवाली स्त्रीको एक रूपवाली बनानेकी कला किसको ज्ञात है? (४) संसारमें रहनेवाला कौन पुरुष विचित्र कथावाली वाक्यरचनाको जानता है? (५) कौन स्वाध्यायशील ब्राह्मण समुद्रमें रहनेवाले महान् ग्राहकी जानकारी रखता है? (६) किस श्रेष्ठ ब्राह्मणको आठ प्रकारके ब्राह्मणत्वका ज्ञान है ? (७) चारों युगोंके मूल दिनोंको कौन बता सकता है ? (८) चौदह मनुओंके मूल दिवसका किसको ज्ञान है ? (९) भगवान् सूर्य किस दिन पहले-पहल रथपर सवार हुए? (१०) जो काले सर्पकी भाँति सब प्राणियोंको उद्वेगमें डाले रहता है, उसे कौन जानता है ? (११) इस भयंकर संसारमें कौन दक्ष मनुष्योंसे भी अत्यधिक दक्ष माना गया है? (१२) कौन ब्राह्मण दोनों मार्गोंको जानता और बतलाता है? जो श्रेष्ठ ब्राह्मण मेरे इन बारह प्रश्नोंको जानते हैं, वे मेरे लिये परमपूज्य हैं और मैं उनका चिरकालतक सेवक बना रहूँगा। अर्जुन! इन प्रश्नोंका गान करता हुआ मैं

सारी पृथ्वीपर घूमता रहा। मुझे जो-जो ब्राह्मण मिले, उन सबने यही कहा—'आपके इन प्रश्नोंकी व्याख्या बहुत कठिन है। हम तो केवल नमस्कार करते हैं।' इस प्रकार सारी पृथ्वीपर घूमकर मैं लौट आया और हिमालयके शिखरपर बैठकर पुन: इस प्रकार विचार करने लगा। 'अहो! मैंने सब ब्राह्मणोंको देख लिया, अब क्या करूँ ?" एक

इसी समय मेरे मनमें यह विचार उत्पन्न हुआ कि 'मैं अभीतक कलाप-ग्राममें तो गया ही नहीं। वह एक उत्तम स्थान है। जहाँ ऐसे ब्राह्मण निवास करते हैं, जो तपस्याके मूर्तिमान् स्वरूप हैं। उनकी संख्या चौरासी हजार है। वे सब-के-सब वेदाध्ययनसे सुशोभित होते रहते हैं। अतः उसी स्थानपर चलूँ।'

मन-ही-मन ऐसा निश्चय करके मैं वहाँसे चल दिया और आकाशमार्गसे वहाँ जा पहुँचा। पुण्यभूमिपर बसा हुआ वह श्रेष्ठ ग्राम सौ योजनतक फैला हुआ था। नाना प्रकारके वृक्ष वहाँ सब ओरसे छाया किये हुए थे। अग्निहोत्रसे उठा हुआ धूएँका प्रवाह वहाँ कभी शान्त नहीं होता था। कलापग्राम वह स्थान है, जहाँ सत्ययुगके लिये सूर्यवंश, चन्द्रवंश तथा ब्राह्मणवंशका बीज शेष और सुरक्षित है। उस स्थानपर पहुँचकर मैंने द्विजोंके आश्रमों में वेश किया। वहाँ श्रेष्ठ ब्राह्मण मधुर वाणीमें अनेक प्रकारके वादोंपर वार्तालाप कर रहे थे। उस समय उस विद्वत्-सभाके बीच मैंने अपनी भुजा उठाकर घोषणा की- 'ब्राह्मणो! अब आपलोग मेरे प्रश्नोंका समाधान कीजिये।'

ब्राह्मण बोले –विप्रवर! आप अपना प्रश्न उपस्थित कीजिये। यह हमारे लिये बहुत बड़ा लाभ है कि आप कोई प्रश्न पूछ रहे हैं।

वहाँके विद्वान् ब्राह्मण 'पहले मैं उत्तर दूंगापहले मैं उत्तर दूँगा।' ऐसा कहकर एक-दूसरेको मना करने लगे। तब मैंने उनके सामने अपने बारह प्रश्न उपस्थित किये। सुनकर वे मुनीश्वर उन प्रश्नोंको खिलवाड़ समझते हुए मुझसे कहने

लगे—'विप्रवर! आपके प्रश्न तो बालकोंके-से हैं। इन छोटे-छोटे प्रश्नोंसे यहाँ क्या होनेवाला है? आप हमलोगोंमें जिसे सबसे छोटा और ज्ञानहीन समझते हों, वही इन प्रश्नोंका उत्तर दे।' यह सुनकर मुझे बड़ा आश्चर्य हुआ। मैंने अपनेको

* ॐकार: प्रथमस्तस्य चतुर्दश स्वरास्तथा । वर्णाश्चैव विसर्जनीयश्च परो जिह्वामूलीय एव च । उपध्मानीय कृतार्थ माना और उनमेंसे एक बालकको सबसे हीन समझकर कहा- 'यह मेरे प्रश्नोंका उत्तर दे।' उस बालक ब्राह्मणका नाम सुतनु था। उसने मेरे प्रश्नोंका उत्तर देते हुए कहा- (१) मातृकामें बावन अक्षर बताये गये हैं। उनमें सबसे प्रथम अक्षर ॐकार है। उसके सिवा चौदह स्वर, तैंतीस व्यंजन, अनुस्वार, विसर्ग, जिह्वामूलीय तथा उपध्मानीय- ये सब मिलकर बावन मातृका वर्ण माने गये हैं। * द्विजवर! यह तो मैंने आपसे अक्षरोंकी संख्या बतायी है। अब इनका अर्थ सुनिये। इस अर्थके विषयमें पहले आपसे एक इतिहास कहूँगा। पूर्वकालकी बात है, मिथिला नगरीमें कौथुम नामसे प्रसिद्ध एक ब्राह्मण रहते थे। उन्होंने इस पृथ्वीपर प्रचलित हुई सम्पूर्ण विद्याओंको पढ़ लिया था। वे इकतीस हजार वर्षोंतक आदरपूर्वक अध्ययनमें लगे रहे। उनका एक क्षण भी कभी व्यर्थ नष्ट नहीं हुआ। अध्ययन पूरा करके जब वे गृहस्थ हुए, तब कुछ कालके बाद उनके एक पुत्र हुआ। उनके सारे बर्ताव जडकी भाँति होते थे। उसने केवल मातृका पढ़ी। मातृका पढ़नेके बाद वह किसी प्रकार दूसरी कोई बात नहीं याद करता था। इससे उसके पिता बहुत खिन्न हुए और उस जड बालकसे कहने लगे- 'बेटा! पढ़ो, पढ़ो, मैं तुम्हें मिठाई दूँगा। नहीं पढ़ोगे तो यह मिठाई दूसरेको दे दूंगा और तुम्हारे दोनों कान उखाड़ लूँगा।'

यह सुनकर पुत्रने कहा—पिताजी! क्या मिठाई लेनेके लिये ही पढ़ा जाता है? क्या लोभकी पूर्ति ही अध्ययनका उद्देश्य है? अध्ययन तो उसका नाम है, जो मनुष्योंको परलोकमें लाभ पहुँचानेवाला हो। कौथुम बोले-वत्स! ऐसी बातें कहनेवाले, तेरी आयु बढ़े। तेरी यह बुद्धि बहुत अच्छी है। पर तू पढ़ता क्यों नहीं है?

त्रयस्त्रिंशदनुस्वारस्तथैव एवापि द्विपञ्चाशदमी

(स्क० पु०, मा० कुमा० ३। २३५- २३७) |फुले

पुत्रने कहा-पिताजी! जाननेयोग्य जितनी भी बातें हैं, वे सब तो मैंने मातृकामें ही जान ली। बताइये, इसके बाद अब कण्ठ किसलिये सुखाया जाय?

पिता बोले-वत्स! तू तो आज बड़ी विचित्र बात कहता है। मातृकामें तूने किस ज्ञातव्य अर्थका ज्ञान प्राप्त किया है? बता, बता। मैं तेरी बात फिर सुनना चाहता हूँ।

पुत्रने कहापिताजी! आपने इकतीस हजार वर्षोंतक नाना प्रकारके तर्कोंका अध्ययन करते हुए भी अपने मनमें केवल भ्रमका ही साधन किया है। 'यह धर्म है, यह धर्म है' ऐसा कहकर शास्त्रों में जो धर्म बताया गया है, उसमें चित्त भ्रान्त-सा हो जाता है। आप उपदेशको केवल पढ़ते हैं। उसके वास्तविक अर्थकी जानकारी नहीं रखते। जो ब्राह्मण केवल पाठमात्र करते हैं, अर्थ नहीं समझते, वे दो पैरवाले पशु हैं। अतः मैं आपसे मोहनाशक वचन सुनाता हूँ। अकार ब्रह्मा कहे गये हैं, भगवान् विष्णु उकार बतलाये गये हैं, मकारको भगवान् महेश्वरका प्रतीक माना गया है। ये तीन गुणमय स्वरूप बताये गये हैं, ॐ कारके मस्तकपर जो अनुस्वाररूप

अर्द्धमात्रा है, वह सर्वोत्कृष्ट भगवान् सदाशिवका प्रतीक है। यह है ॐ कारकी महिमा, जिसका वर्णन कोटि-कोटि ग्रन्थोंद्वारा दस हजार वर्षोंमें भी नहीं किया जा सकता।

पुनः जो मातृकाका सारसर्वस्व बताया गया है, उसे सुनिये। अकारसे लेकर औकारतक जो चौदह? स्वर हैं, वे चौदह मनुस्वरूप हैं। स्वायम्भुव, स्वारोचिष, औत्तम, रैवत, तामस, छठे चाक्षुष, सातवें वैवस्वत—जो इस समय वर्तमान

हैं, सावर्णि, ब्रह्मसावर्णि, रुद्रसावर्णि, दक्षसावर्णि, धर्मसावर्णि, रौच्य तथा भौत्य- ये चौदह मनु हैं। श्वेत, पाण्डु, लोहित, ताम्र, पीत, कपिल, कृष्ण, श्याम, धूम्र, अधिक पिंगल, थोड़ा पिंगल, तिरंगा, बहुरंगा तथा कबरा-ये क्रमशः चौदह मनुओंके रंग हैं। पिताजी! वैवस्वत मनु ऋकारस्वरूप हैं। उनका रंग काला बतलाया जाता है। 'क'से लेकर 'ह' तक तैंतीस देवता हैं। 'क' से लेकर 'ठ' तक तो बारह आदित्य माने गये हैं। 'ड' से लेकर 'ब' तक जो अक्षर हैं, वे ग्यारह रुद्र हैं। 'भ' से लेकर 'ष' तक आठ ५ वसु माने गये हैं। 'स' और 'ह'- ये दोनों अश्विनीकुमार बताये गये हैं। इस प्रकार ये तैंतीस देवता कहे जाते हैं। पिताजी !

१- अकार: कथितो ब्रह्मा उकारी विष्णुरुच्यते। मकारश्च स्मृतो रुद्रस्त्रयश्चैते गुणाः स्मृताः ॥ अर्द्धमात्रा च या मूर्ध्नि परमः स सदाशिवः ।
२- अ आ इ ई उ ऊ ऋ ॠलू ऌ ए ऐ ओ औ-ये चौदह स्वर हैं। (स्क० पु०, मा० कुमा० ३२५१-२५२)

३- वेंकटेश्वरकी प्रतिमें आदित्य, रुद्र और वसुओं के नाम भी आये हैं। आदित्यसम्बन्धी श्लोक इस प्रकार हैंमित्रोऽर्यमा शक्रो वरुणश्चांशुरेव

भगो विवस्वान् पूषा च सविता धाता विष्णुर्द्वादश सर्वेषामादित्यानां अर्थात् धाता, मित्र, अर्यमा, शक्र, वरुण, अंशु, भग, विवस्वान्, पूषा, सविता, त्वष्टा और विष्णु-ये बारह आदित्य हैं। इनमें विष्णु सबसे छोटे होनेपर भी गुणोंमें सबसे श्रेष्ठ हैं।

कपाली पिंगलो भीमो विरूपाक्षो विलोहितः। अजक: शासनः शास्ता शम्भुशवण्डो भवस्तथा ॥ ५- आठ वसु ये हैं

ध्रुवो घोरश्च सोमश्च आपश्चैव नलोऽनिलः । प्रत्यूषश्च प्रभासश्च आष्टी ते वसवः स्मृताः॥